पैंतालीसवां प्रतिवेदन

याचिका समिति

(सत्रहवीं लोक सभा)

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

(24.03.2023 को लोक सभा को प्रस्तुत किया गया)

सत्यमेव जयते

लोक सभा सचिवालय

नई दिल्ली

मार्च, 2023/ चैत्र, 1945(शक)

<u>सीपीबी सं. 1 खंड XLV</u>

© **2023** लोक सभा सचिवालय

लोक सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियम (सोलहवां संस्करण) के नियम 382 के अंतर्गत प्रकाशित

विषय-सूची

पृष्ठ

याचिका समिति का गठन.. (ii)

प्राक्कथन.. (iii)

प्रतिवेदन

बेतुल, दक्षिण गोवा में स्थित प्रशिक्षण संस्थान नामतः पेट्रोलियम सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन संस्थान (आईपीएसएचईएम) के पुनरुद्धार की आवश्यकता के संबंध में श्री दीपक शर्मा से प्राप्त अभ्यावेदन। 1

परिशिष्ट

याचिका समिति की 23.03.2023 को हुई 28वीं बैठक का कार्यवाही सारांश।

याचिका समिति का गठन

श्री हरीश द्विवेदी - *सभापति*

सदस्य

2. श्री एंटो एन्टोनी
3. श्री हनुमान बेनीवाल
4. श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक
5. श्री पी. रविन्द्रनाथ
6. डॉ. जयंत कुमार राय
7. श्री बृजेन्द्र सिंह
8. श्री सुनील कुमार सिंह
9. श्री सुशील कुमार सिंह
10. श्री मनोज कुमार तिवारी
11. श्री प्रभुभाई नागरभाई वसावा
12. श्री राजन बाबूराव विचारे
13. रिक्त
14. रिक्त
15. रिक्त

<u>सचिवालय</u>

1.	श्री टी.जी.चन्द्रशेखर	-	अपर सचिव
2.	श्री राजू श्रीवास्तव	-	निदेशक
3.	श्री तेनज़िन ज़लसन	-	उप सचिव

याचिका समिति का पैंतालीसवां प्रतिवेदन
(सत्रहवीं लोक सभा)

प्राक्कथन

मैं, याचिका समिति का सभापति, समिति द्वारा उनकी ओर से प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए प्राधिकृत किए जाने पर, बेतुल, दक्षिण गोवा में स्थित प्रशिक्षण संस्थान नामत: पेट्रोलियम सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन संस्थान (आईपीएसएचईएम) के पुनरुद्धार की आवश्यकता के संबंध में श्री दीपक शर्मा से प्राप्त अभ्यावेदन पर याचिका समिति का यह पैंतालीसवां प्रतिवेदन (सत्रहवीं लोक सभा) सभा में प्रस्तुत करता हूँ।

2. समिति ने 23 मार्च, 2023 को हुई अपनी बैठक में 45वें प्रारूप प्रतिवेदन पर विचार किया और उसे स्वीकार किया।

3. उक्त मुद्दों पर समिति की टिप्पणियां/सिफारिशें प्रतिवेदन में शामिल की गई है।

नई दिल्ली;
23 मार्च, 2023
02 चैत्र, 1945 (शक)

श्री हरीश द्विवेदी
सभापति,
याचिका समिति

<u>प्रतिवेदन</u>

बेतुल, दक्षिण गोवा में स्थित प्रशिक्षण संस्थान नामतः पेट्रोलियम सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन संस्थान (आईपीएसएचईएम) के पुनरुद्धार की आवश्यकता के संबंध में श्री दीपक शर्मा से प्राप्त अभ्यावेदन।

श्री दीपक शर्मा ने बेतुल, दक्षिण गोवा में स्थित प्रशिक्षण संस्थान नामतः पेट्रोलियम सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन संस्थान (आईपीएसएचईएम) के पुनरुद्धार की आवश्यकता के संबंध में याचिका समिति के समक्ष दिनांक 06.10.2022 को अभ्यावेदन प्रस्तुत किया था।

2. अभ्यावेदनकर्ता ने अपने अभ्यावेदन में अन्य बातों के साथ-साथ यह बताया कि पेट्रोलियम क्षेत्र में सुरक्षा, उपजीविकाजन्य स्वास्थ्य और पर्यावरण पद्धतियों और मानकों को बढ़ावा देने के लिए ओएनजीसी द्वारा वर्ष 1989 में गोवा में पेट्रोलियम सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन संस्थान (आईपीएसएचईएम) की स्थापना की गई थी। इसने वर्ष 1997 से दक्षिण गोवा के बेतुल गांव में अपने परिसर से कार्य करना आरंभ कर दिया। तब से, हजारों कर्मियों को विभिन्न प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया है। अभ्यावेदनकर्ता ने बताया कि इस संस्थान को अंतर्राष्ट्रीय मानक के रोल मॉडल के रूप में विकसित करने का दावा किया जाता है, जिसमें एक छत के नीचे अत्याधुनिक एचएसई प्रशिक्षण सुविधाएं हैं, जिसमें विशेष रूप से अपतटीय कर्मियों के लिए एक आधुनिक समुद्री जीवन रक्षा प्रशिक्षण पोत शामिल है। इसके अलावा, यह भी दावा किया गया है कि यह एक आईएसओ प्रमाणित इकाई है। संस्थान कतर, सूडान जैसे देशों में इन-हाउस संकायों और अन्य ईएंडपी कंपनियों के प्रशिक्षित कर्मियों को भी नियुक्त करता है और सुरक्षा प्रबंधन और पर्यावरण प्रबंधन में अन्य अध्ययन और अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम भी प्रदान करता है।

3. अभ्यावेदनकर्ता ने आगे बताया है कि इस संस्थान ने वर्ष 2004 के लिए गोल्डन पीकॉक पर्यावरण प्रबंधन पुरस्कार और वर्ष 2003-04 और 2006 के लिए ग्रीनटेक पर्यावरण उत्कृष्टता पुरस्कार सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कार भी जीते हैं। तब से लगभग डेढ़ दशक बीत चुका है और आईपीएसएचईएम धीरे-धीरे गुमनामी में चला गया है और अब, यह ओएनजीसी के लिए भी एक दायित्व बन गया है, अभ्यावेदनकर्ता ने अपने अभ्यावेदन में निम्नवत तथ्य दिए हैं:-

(एक) वर्ष 2021-22 के दौरान आईपीएसएचईएम की उच्च प्रभाव वाली परियोजनाएं हैं-

(क) मुंबई हाई और कच्छ-सौराष्ट्र क्षेत्र के पश्चिमी अपतटीय क्षेत्र में ओएनजीसी प्रतिष्ठानों के आसपास पर्यावरण निगरानी।

(ख) पूर्वी-अपतटीय-केजी बेसिन, बंगाल की खाड़ी और ईओए, काकीनाडा की अपतटीय पर्यावरण निगरानी।

(दो) प्रौद्योगिकियों को अपग्रेड/शामिल किया गया: शून्य

(तीन) प्रकाशित पत्र: 06 (04 राष्ट्रीय जर्नल और 02 अंतर्राष्ट्रीय जर्नल)

(चार) आईपीआर

(क) पेटेंट दायर	:	शून्य
(ख) पेटेंट प्राप्त	:	शून्य
(ग) कॉपीराइट दायर	:	शून्य
(घ) कॉपीराइट पंजीकृत	:	शून्य

इसके अलावा, उपर्युक्त से यह देखा जा सकता है कि पिछले दो दशकों के दौरान, विशेष रूप से वर्ष 2014 तक आईपीएसएचईएम का निराशाजनक प्रदर्शन रहा है। इस संस्थान का भी कोई प्रचार नहीं किया गया है, जो पहले पेट्रोलियम सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन में अग्रणी संस्थान था, जिसके कारण शिक्षार्थियों का नामांकन तेज गति से कम हो रहा है और अब संस्थान की स्थिति

खेदजनक है। ओएनजीसी और सरकार द्वारा किया जाने वाला वित्तपोषण भी रुक गया है जिसके कारण संकाय सदस्य भी अन्य संगठनों में जा रहे हैं।

4. अभ्यावेदनकर्ता ने यह भी प्रस्तावित किया है कि एक स्वतंत्र संगठन द्वारा इसका गहन अध्ययन कराया जाए और सुझाव दिया कि संसदीय समिति इस तरह के अध्ययन के लिए सबसे उपयुक्त है। उक्त अध्ययन करते समय, इस संस्थान के पुनरुद्धार पर विशेष जोर देने की आवश्यकता है ताकि यह अपने अतीत के गौरव को प्राप्त कर सके और छात्रों को भी अंतर्राष्ट्रीय मानक पर इन सभी पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाना चाहिए।

5. याचिका समिति (सत्रहवीं लोक सभा) ने लोक सभा, अध्यक्ष के निदेश के निदेश 95 के तहत श्री दीपक शर्मा के अभ्यावेदन पर विचार किया। तदनुसार, अभ्यावेदन को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय को उसमें उठाए गए मुद्दों पर अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करने के लिए भेजा गया।

6. श्री दीपक शर्मा के अभ्यावेदन में उठाए गए मुद्दों/बिंदुओं का वास्तविक मूल्यांकन करने के लिए समिति ने 02 जनवरी, 2023 को गोवा का तत्स्थानिक अध्ययन दौरा किया। उक्त अध्ययन यात्रा के दौरान समिति ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) के प्रतिनिधियों के साथ अनौपचारिक चर्चा की।

7. समिति द्वारा यह पूछे जाने पर कि गोवा में तेल और प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड द्वारा पेट्रोलियम सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन संस्थान (आईपीएसएचईएम) की स्थापना कब की गई थी, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा ओएनजीसी के प्रतिनिधियों ने बताया कि जुलाई, 1989 में तेल और प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड द्वारा गोवा में आईपीएसएचईएम की स्थापना की गई थी।

8. तत्पश्चात, समिति ने यह जानना चाहा कि तेल और प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड (ओएनजीसी) द्वारा देश में ऐसे संस्थान की स्थापना की संकल्पना कैसे

की गई थी, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा ओएनजीसी के प्रतिनिधियों ने निम्नवत बताया:-

पेट्रोलियम सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन संस्थान (आईपीएसएचईएम) तेल और प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड (ओएनजीसी) के एक प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना, ओएनजीसी द्वारा दिनांक 28 नवंबर 1984 को आयोजित 230वीं कार्यकारी समिति (ईसी) की बैठक में पेट्रोलियम क्षेत्र में सुरक्षा, उपजीविकाजन्य स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन संव्यवहारों और मानकों को बढ़ावा देने के निमित्त पेट्रोलियम उद्योग में, और विशेष रूप से तेल और प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड (ओएनजीसी) प्रतिष्ठानों की सुरक्षा और पर्यावरण प्रशिक्षण पर अपना ध्यान केंद्रित करने और सुरक्षोपायों को स्पष्टता प्रदान करने के लिए इसकी परिकल्पना की गई थी। वर्ष 1989 में आईपीएसएसएचईएम ने मडगांव, दक्षिण गोवा में एक किराए के कार्यालय परिसर से काम करना शुरू किया तथा अलग-अलग स्थलों, मडगाँव, वास्को और पणजी अग्निशमन सेवा मुख्यालय में समुद्र में जीवन रक्षा और अग्निशमन सम्बन्धी प्रशिक्षण दिया गया। संस्थान का मास्टर प्लान वर्ष 1990 में भारत सरकार और नॉर्वे सरकार के बीच एक द्विपक्षीय समझौते के सलाहकार सिकटेक ए/एस द्वारा तैयार किया गया था। वर्ष 1997 से आईपीएसएचईएम ने दक्षिण गोवा के बैतूल गाँव में अपने स्वयं के परिसर से काम करना शुरू कर दिया था।

9. इसके आगे, समिति ने आईपीएसएचईएम पर एक संक्षिप्त टिप्पण प्रस्तुत करने को कहा। इसके उत्तर में, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा ओएनजीसी के प्रतिनिधियों ने निम्नवत बताया:

पेट्रोलियम सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन संस्थान (आईपीएसएचईएम) तेल और प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड (ओएनजीसी) का एक प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान है जिसका लक्ष्य पेट्रोलियम क्षेत्र में सुरक्षा, उपजीविकाजन्य स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन सम्बन्धी संव्यवहारों और मानकों का संवर्धन करने पर केन्द्रित है। आईपीएसएचईएम तेल और प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड पेट्रोलियम क्षेत्र के कर्मियों को विशिष्ट एचएसई और अग्निशमन प्रशिक्षण प्रदान करता है ताकि वे सुरक्षित, हरित और अधिक उत्तरदायी अन्वेषण, वेधन, उत्पादन और अन्य अन्वेषण एवं उत्पादन प्रचालित कर सकें। आईपीएसएचईएम परिसंपत्ति/बेसिन की आवश्यकता के अनुसार पश्चिमी और पूर्वी अपतट में स्थित तेल और प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड (ओएनजीसी) के प्रतिष्ठानों के आसपास अपतटीय पर्यावरण सम्बन्धी निगरानी अध्ययन और एचएसई के अन्य अध्ययन भी आयोजित करता है।

मिशन- *पेट्रोलियम क्षेत्र में सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन में उत्कृष्टता का संवर्धन करना।*

विजन- *पेट्रोलियम क्षेत्र में सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय ख्याति का उत्कृष्टता केंद्र बनना। पेट्रोलियम क्षेत्र में सुरक्षित और स्वस्थ कार्य पद्यतियों और पर्यावरण प्रबंधन के मानक स्थापित करने के निमित्त एक उदाहरण प्रस्तुत करने वाला एक केन्द्र बनना।*

आईपीएसएचईएम के दायरे में निम्नलिखित प्रशिक्षण आते हैं:

(i) समुद्र निकासी अभ्यास में हेलिकॉप्टर, सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन के अन्तर्गत समुद्र में जीवत रक्षा।

(ii) प्रदूषण नियंत्राण के उपायों सहित पर्यावरण संरक्षण, तेल रिसाव की रोकथाम।

(iii) अपतटीय क्षेत्रों में सीमित स्थान के अंदर अग्निशमन और निकासी अभ्यास।

(iv) कोड मैनुअल डेटा बैंक का विकास।

(v) प्रचालन गतिविधियों के सुरक्षा पहलुओं में लघु अवधि के पाठ्यक्रमों की पेशकश करना।

(vi) सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन में डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करना।

(vii) सुरक्षा, पर्यावरण, उपजीविकाजन्य स्वास्थ्य और श्रम दक्षता (एर्गोनॉमिक्स) के क्षेत्रों में अनुसंधान और 'विकास (आरएंडडी) को बढ़ावा देना।

10. संस्थान द्वारा संचालित स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण (एचएसई) प्रबंधन पर सैद्धांतिक और व्यावहारिक पाठ्यक्रमों का ब्यौरा प्रस्तुत करने के लिए कहे जाने पर, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा ओएनजीसी के प्रतिनिधियों ने निम्नवत बताया:-

सैद्धांतिक प्रशिक्षण कार्यक्रम	***व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम***
उपजीविकाजन्य सुरक्षा और स्वास्थ्य में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनईबीओएसएच) अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा	*समुद्र में जीवन रक्षा (एसएएस) विषय पर अनिवार्य अपतटीय सुरक्षा प्रशिक्षण।*
उपजीविकाजन्य सुरक्षा और स्वास्थ्य (एनईबीओएसएच) प्रमाणपत्र कार्यक्रम का राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड	*अपतटीय पेट्रोलियम उद्योग प्रशिक्षण संगठन (ओपीआईटीओ) ने ईबीएस (आपातकालीन श्वसन प्रणाली) के साथ एचयूईटी (हेलीकॉप्टर अंडरवाटर एस्केप ट्रेनिंग) को मंजूरी दी।*
लॉगिंग प्रचालनों में सुरक्षा (रेडियोधर्मी पदार्थों के रखरखाव समेत)	*व्यावहारिक अग्निशमन*
व्यवहार आधारित सुरक्षा (बीबीएस)	*उन्नत अग्निशमन*

दुर्घटना और घटना की जांच	अग्निशमन टीम सदस्य पाठ्यक्रम
आपातकालीन तत्परता और प्रतिक्रिया	ब्लोआउट नियंत्रण आकस्मिकताएं
एचएसई जागरूकता	श्वसन उपकरण पाठ्यक्रम
आईएसओ अग्रणी संपरीक्षक और आंतरिक संपरीक्षक कार्यक्रम	कार्यस्थल पर आग से बचाव और सुरक्षा (एफपीपीडब्ल्यू)
सुरक्षा संपरीक्षक कार्यक्रम	प्रेशर-फेड ईंधन अग्निशम (पीएफएफएफ)
पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) का अध्ययन	बुनियादी अग्निशमन प्रशिक्षण (बीएफएफ)
बुनियादी अपतटीय सुरक्षा प्रशिक्षण	अग्रिम अग्निशमन प्रशिक्षण (एएफएफ)
वेधन और वर्क-ओवर प्रचालन में सुरक्षा	ब्लो–आउट नियंत्रण आकस्मिकताएं (बीसीसी)
आपदा प्रबंधन	अग्निशमन प्रशिक्षण (एफएफआई)
अधस्तल सुरक्षा वाल्व	
कार्यालय/कार्य-स्थल में सुरक्षा	
उपजीविकाजन्य स्वास्थ्य पाठ्यक्रम	
अग्नि जोखिम प्रबंधन (एफआरएम)	
अग्निशमन स्टेशन प्रबंधन (एफएसएम)	
उपजीविकाजन्य स्वास्थ्य और श्रम दक्षता (एर्गोनॉमिक्स)	

11. समिति द्वारा यह पूछे जाने पर कि क्या पिछले पांच वर्षों के दौरान संस्थान द्वारा नए पाठ्यक्रम जोड़े गए हैं, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा ओएनजीसी के प्रतिनिधियों ने निम्नवत बताया:-

आईपीएसएचईएम द्वारा पिछले पांच वर्षों के दौरान निम्नलिखित नए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं:-

(i) उपजीविकाजन्य सुरक्षा और स्वास्थ्य राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनईबीओएसएच) और उपजीविकाजन्य सुरक्षा और स्वास्थ्य में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा।

(ii) राष्ट्रीय उपजीविकाजन्य सुरक्षा और स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड (एनईबीओएसएच) तथा तेल और गैस परिचालन सुरक्षा में अंतरराष्ट्रीय तकनीकी प्रमाणपत्र (आईओजीसी)।

(iii) राष्ट्रीय उपजीविकाजन्य सुरक्षा और स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड (एनईबीओएसएच) और उपजीविकाजन्य स्वास्थ्य और सुरक्षा में अंतरराष्ट्रीय सामान्य प्रमाणपत्र (आईजीसी)।

(iv) उपजीविकाजन्य स्वास्थ्य और कार्य जीवन प्रबंधन सम्बन्धी प्रशिक्षण।

(v) उपजीविकाजन्य स्वास्थ्य और श्रम दक्षता (एर्गोनॉमिक्स) सम्बन्धी प्रशिक्षण।

(vi) नाविकों (सी फेयर्स) के लिए प्रशिक्षण, प्रमाणन और निगरानी के मानकों सम्बन्धी अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन (एसटीसीडब्ल्यू), 2010 के अनुसार व्यक्तिगत जीवन रक्षा तकनीक (पीएसटी)।

(vii) नाविकों (सी फेर्यर्स) के लिए प्रशिक्षण, प्रमाणन और निगरानी के मानकों पर अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन (एसटीसीडब्ल्यू), 2010 के अनुसार जीवन रक्षा और क्राफ्ट बचाव नौका (पीएससीआरबी) में प्रवीणता।

(viii) बुनियादी प्राथमिक चिकित्सा (ईएफए), नाविकों (सी फेर्यर्स) के लिए प्रशिक्षण, प्रमाणन और निगरानी के मानकों पर अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन (एसटीसीडब्ल्यू, 2010)।

(ix) नाविकों (सी फेर्यर्स) के लिए प्रशिक्षण, प्रमाणन और निगरानी के मानकों सम्बन्धी अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन (एसटीसीडब्ल्यू), 2010 के अनुसार व्यक्तिगत सुरक्षा और सामाजिक उत्तरदायित्व (पीएसएसआर)।

(x) एसटीसीडब्ल्यू, 2010 के अनुसार उन्नत अग्निशमन (एएफएफएफ)।

(xi) नाविकों के लिए प्रशिक्षण प्रमाणन और निगरानी के मानकों सम्बन्धी अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन (एसटीडब्ल्यूसी), 2010 के अनुसार अग्नि रोकथाम और अग्नि शमन (एफपीएफएफ)।

(xii) हेलिडेक लैंडिंग सहायक पाठ्यक्रम।

(xiii) क्षेत्र में कार्य करने वाले अधिकारियों के लिए एचएसई अनुस्थापन।

(xiv) अभितीय प्रतिष्ठानों के लिए आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया।

(xv) व्यवहार आधारित सुरक्षा प्रबंधन।

(xvi) अधिकारियों के लिए गोदाम प्रबंधन, संभरण, सामग्री प्रबंधन में सुरक्षा और तटीय जेटी सुरक्षा।

(xvii) कर्मचारियों के लिए गोदाम प्रबंधन, संभरण, सामग्री प्रबंधन में सुरक्षा और तटीय जेटी सुरक्षा।

(xviii) रिंग प्रबंधकों/पाली प्रभारियों/सुरक्षा अधिकारियों के लिए एचएसई जागरुकता कार्यक्रम।

(xix) प्रतिष्ठान प्रबंधकों/पाली प्रभारियों/सुरक्षा अधिकारियों के लिए एचएसई जागरुकता कार्यक्रम।

(xx) संविदा पर्यवेक्षकों के लिए एचएसई जामरूकता कार्यक्रम।

(xxi) व्यवहार आधारित सुरक्षा प्रबंधन।

12. वित्त, संभार तंत्र, चयन संकाय और पाठ्यक्रम पूरा होने के पश्चात छात्रों के प्लेसमेंट के संबंध में आईपीएसएचईएम को चलाने, अन्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पेट्रोलियम कंपनियों को शामिल करने आदि में ओएनजीसी की भूमिका के बारे में समिति द्वारा पूछे जाने पर पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा ओएनजीसी के प्रतिनिधियों ने निम्नवत बताया:-

ओएनजीसी के पास पेट्रोलियम सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन संस्थान (आईपीएसएचईएम) सहित 13 संस्थान हैं और वे सभी ओएनजीसी के अंग है। ओएनजीसी सम्बद्ध अधिदेशों के अनुसार इन संस्थानों के सुचारू कामकाज के लिए इन्हें सभी प्रकार की सहायता (वित्तीय, संभरण और मानव संसाधन सहित) प्रदान करता है। ओएनजीसी के पास अपने कर्मचारियों को एचएसई प्रशिक्षण प्रदान करने का अधिकार है। आईपीएमएचईएम, गोवा अपने स्वयं के ओएनजीसी कर्मचारियों के साथ-साथ पेट्रोलियम क्षेत्र के कर्मियों को विशेषज्ञ एचएसई और अग्निशमन प्रशिक्षण प्रदान करता है ताकि वे सुरक्षित, हरित और अधिक जिम्मेदार तरीके से हाइड्रोकार्बन का प्रचालन कर सके। आईपीएसएचईएम बाहरी राष्ट्रीय (गैस ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (गेल), ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल), रिलायंस ऑयल, बीपीसीएल (भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड), आईओसीएल (इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड), एचपीसीएल (हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड) आदि और अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस अपस्ट्रीम (टोटल गैस, रोजनेफ्ट आदि) के साथ-साथ डाउनस्ट्रीम कंपनियाँ और अन्य क्षेत्रों जैसे वैमानिकी (विमानपत्तन प्राधिकरण) के संस्थानों को एचएसई और अग्निशमन प्रशिक्षण भी प्रदान करता है।

एचएसई और अग्निशमन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के संकायों में इन-हाउस विषय विशेषज्ञों के साथ-साथ ओएनजीसी के पूर्व कर्मी शामिल हैं। तथापि, कुछ विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए, अन्य उद्योगों के विषय विशेषज्ञ भी संकाय के रूप में कार्य करते हैं। जहाँ तक, छात्रों के नियोजन का संबंध है, कृपया यह नोट करें कि आईपीएसएचईएम केवल पेट्रोलियम क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए ही एचएसई प्रशिक्षण आयोजित करता है।

आईपीएसएचईएम नियोजन प्रयोजनार्थ कोई डिग्री या डिप्लोमा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन नहीं करता है।

13. तत्पश्चात, समिति ने अभ्यर्थियों के चयन के तरीके के विशिष्ट संदर्भ में आईपीएसएचईएम द्वारा प्रस्तुत किए गए विभिन्न पाठ्यक्रमों का ब्यौरा प्रस्तुत करने को कहा। इसके उत्तर में, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा ओएनजीसी के प्रतिनिधियों ने निम्नवत बताया:-

आईपीएसएचईएम द्वारा प्रस्तावित प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए अभ्यर्थियों के चयन/पात्रता मानदंड का तरीका लक्षित समूह और प्रतिभागियों के प्रशिक्षु प्रोफाइल/स्तर पर आधारित है। आईपीएसएचईएम के वार्षिक कैलेंडर में प्रतिभागियों और लक्षित समूह के स्तर का स्पष्ट रूप से निर्धारण किया जाता है और प्रत्येक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के सामने प्रदर्शित किया जाता है। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के लिए पात्रता के संबंध में विवरण के साथ ओएनजीसी की रिपोर्टों में प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रकाशित किया जाता है और विभिन्न कार्यक्रमों के नामांकन के आधार पर कार्य-केन्द्रों के प्रमुख के अनुमोदन से प्राप्त होते हैं। पात्रता मानदंड/अभ्यर्थियों के चयन के तरीके को दर्शाने वाले प्रशिक्षण कैलेंडर का एक नमूना नीचे दिया गया है:-

क्रं. सं.	***कार्यक्रम का शीर्षक***	***प्रत्यायन एजेंसी***	***प्रशिक्षण की श्रेणी***	***प्रशिक्षण का तरीका/स्थान***	***लक्ष्य समूह***	***प्रशिक्षु का प्रोफ़ाइल /स्तर***
1	*समुद्र में जीवन रक्षा, प्राथमिक*	-	*अनिवार्य*	*वास्तविक/ आईपीएसएचईएम*	*अपतट में कार्य करने वाले कार्मिक*	*सभी स्तर*

	चिकित्सा, एच$_2$ एस सुरक्षा और अग्निशमन (एसएएस)					
2	समुद्र में जीवन रक्षा संबंधी पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (आरएएम)	-	अनिवार्य	वास्तविक/ आईपीएसएचईएम	अपतट में कार्य करने वाले कार्मिक	सभी स्तर
3	हेलिडेक संचालन प्रारंभिक प्रशिक्षण (एचएलओ और एचडीए)	-	नियमित	वास्तविक/ ऑफ कैंपस	अपतटीय प्लेटफॉर्म संभरण कार्मिक और वेल हेड टीम के सदस्य	सभी स्तर
4	अपतटीय जीवनरक्षा नौका कॉक्सवेन प्रशिक्षण (ओएलसी)	-	नियमित	वास्तविक/ ऑफ कैंपस	अपतट में कार्य करने वाले नामित कार्मिक	सभी स्तर
5	ईबीएस (एचयूईटी) के साथ हेलीकॉप्टर	ओपीआईटीओ	अनिवार्य	वास्तविक/ ऑफ कैंपस	अपतट में कार्य करने वाले कार्मिक	सभी स्तर

	अंडरवाटर एस्केप प्रशिक्षण					
6	तेल और गैस परिचालन सुरक्षा में एनईबीओएसएच अंतरराष्ट्रीय तकनीकी प्रमाणपत्र (ओईओजीसी)	एनईबी ओएसएच	अनिवार्य प्रस्तावित	वास्तविक/वर्चुअल/ आईपीएसएचईएम	केवल वेधन, वर्क-ओवर, लॉगिंग, इंजीनियरिंग और भू-भौतिकीय सेवाओं में तैनात सुरक्षा अधिकारियों के लिए	ई1 से ई6

14. आईपीएसएचईएम द्वारा प्रस्तावित विविध पाठ्यक्रमों में अभ्यर्थियों के नामांकन के बारे में सारणीबद्ध रूप में ब्यौरा प्रस्तुत करने के लिए कहे जाने पर, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा ओएनजीसी के प्रतिनिधियों ने निम्नवत बताया:-

क्र. सं.	पाठ्यक्रम	नामांकित उम्मीदवारों की कुल संख्या (अप्रैल-मार्च)						
		2017	2018	2019	2020	2021	2022	टिप्पणियां
1	परिचालन कर्मियों के लिए अग्निशमन प्रशिक्षण	1959	2376	2812	2626	3242	1695	
2	पेशेवर	97	161	309	120	65	69	

	अग्निशामकों के लिए उन्नत खोज और बचाव-सह-अग्निशमन प्रशिक्षण							
3	ब्लो-आउट आकस्मिक नियंत्रण	0	19	16	0	0	0	फरवरी, 23 (2022-23) में प्रस्तावित
4	समुद्र में जीवन रक्षा	729	879	747	536 (ओ*)	53 (ओ*) 115 (पी*)	612	
5	अपतटीय पेट्रोलियम उद्योग प्रशिक्षण संगठन (ओपीआईटीओ) से मान्यता प्राप्त – हेलीकॉप्टर अंडरवाटर बचाव प्रशिक्षण (एचयूईटी)	947	825	750	817 (ओ*)	349 (ओ*) 77 (पी*)	1608	
6	राष्ट्रीय उपजीविकाजन्य सुरक्षा और स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड (एनईबीओएसएच	0	20	0	0	0	0	एक एनईबीओएसएच डिप्लोमा कोर्स आयोजित किया और

	) एचएसई कार्मिक के लिए अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा							बाद में एनईबीओएस एच सर्टिफिकेट कोर्स जारी रखा।
7	राष्ट्रीय उपजीविकाजन्य सुरक्षा और स्वास्थ्य (एनईबीओएसएच) प्रमाणपत्र कार्यक्रम परीक्षा बोर्ड	58	158	155	0	0	56	
8	व्यवहार आधारित सुरक्षा	110	192	115	117 (ओ*)	77 (ओ*)	55 (ओ*)	
9	उपजीविकाजन्य स्वास्थ्य और श्रम दक्षता (एर्गोनॉमिक्स)	121	102	58	110 (ओ*)	0	27	
10	ऑनसाइट हाइड्रोजन सल्फाइड सुरक्षा	87	0	144	33 (ओ*)	65 (ओ*)	0	फरवरी, 23 (2022-23) में प्रस्तावित
11	दुर्घटना और घटना की जांच	18	11	0	39 (ओ*)	51 (ओ*)	0	फरवरी, 23 (2022-23) में प्रस्तावित
1	विस्फोटकों की	0	0	0	0	0	0	यह

2	सुरक्षा और प्रहस्तन							शीर्षक/विषय "लॉगिंग प्रचालन में सुरक्षा" प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का हिस्सा है
13	लॉगिंग प्रचालन में सुरक्षा	45	29	27	27 (ओ*)	14 (ओ*)	18	
14	आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया	0	20	0	37 (ओ*)	0	0	फरवरी, 23 (2022-23) में प्रस्तावित
15	एचएसई जागरूकता	497	222	709	366 (ओ*)	150 (ओ*)	401	
16	आईएसओ अग्रणी संपरीक्षक और आंतरिक संपरीक्षक कार्यक्रम	114	37	61	307 (ओ*)	89 (ओ*)	15	
17	सुरक्षा संपरीक्षक कार्यक्रम	0	0	85	0	0	0	मार्च, 23 (2022-23) में प्रस्तावित
18	तेल रिसाव प्रबंधन	0	0	0	0	0	0	स्थानीय भारतीय तट रक्षक के सहयोग से सम्बन्धित

								परिसंपत्ति एचएसई अनुभाग द्वारा संचालित।
19	पर्यावरण प्रभाव आकलन अध्ययन (ईआईए)	0	0	0	0	0	0	ओएनजीसी परियोजनाओं के लिए तीसरे पक्ष के संविदाकारों द्वारा ईआईए अध्ययन किए जा रहे हैं।

ओ*- ऑनलाइन माध्यम से प्रशिक्षण

पी*- कक्षा-कक्ष माध्यम से प्रशिक्षण

15. तत्पश्चात, समिति ने यह जानना चाहा कि क्या किसी विशिष्ट प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के पूरा होने पर सभी अभ्यर्थियों को समुचित नियुक्ति देने पर विचार किया जाता है। इस संबंध में, समिति ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पेट्रोलियम कंपनियों का ब्यौरा प्रस्तुत करने को भी कहा जो इन अभ्यर्थियों को नौकरी प्रदान कर रही हैं। इसके उत्तर में, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा ओएनजीसी के प्रतिनिधियों ने बताया कि आईपीएसएचईएम केवल पेट्रोलियम क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए एचएसई प्रशिक्षण आयोजित करता है और प्लेसमेंट उद्देश्य के लिए कोई डिग्री या डिप्लोमा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित नहीं करता है।

16. इस तथ्य पर विचार करते हुए कि आईपीएसएचईएम को हाइड्रो कार्बन सेक्टर में एक अनुकरणीय संस्थान माना जाता है, समिति ने यह जानना चाहा कि मई, 2021 में चक्रवात ताउते के दौरान जहाजों के डूबने, जून 2022 में अरब सागर में पवन हंस हेलीकॉप्टर की दुर्घटना आदि जैसी दुर्घटनाओं/घटनाओं के कारण कई कर्मी कैसे हताहत हुए। इस आलोक में, समिति ने यह भी जानना चाह कि क्या आईपीएसएचईएम द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण मॉड्यूल/पाठ्यक्रमों, जो ऐसी विनाशकारी घटनाओं के दौरान कार्मिकों की संपत्ति और जीवन के नुकसान को रोकने में सहायक हो सकते हैं, का पुनः मूल्यांकन करने की तत्काल आवश्यकता है। इसके उत्तर में, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा ओएनजीसी के प्रतिनिधियों ने निम्नवत बताया:-

ओएनजीसी में सभी अपतटीय कर्मचारियों के लिए, ईबीएम प्रशिक्षण और समुद्र में जीवन रक्षा प्रशिक्षण के साथ ओपीआईटीओ मान्यता प्राप्त एचयूईटी अनिवार्य है। आईपीएसएचईएम सभी अपतटीय ओएनजीसी कर्मियों के लिए इन प्रशिक्षणों का आयोजन करता है। इन प्रशिक्षणों के माध्यम से, कर्मचारीगण यह सीखते हैं कि पानी पर आपातकालीन लैंडिंग/पानी में हेलीकॉप्टर के गिरने और समुद्र में सहायता आने तक बचाव के मामले में डूबते हेलीकॉप्टर से कैसे बचा जाए। दुनिया भर में सभी प्रसिद्ध तेल और गैस उद्योग अपने अपतटीय कार्मिकों के लिए ओपीआईटीओ दिशानिर्देशों के अनुसार एचयूईटी और समुद्र में जीवन रक्षा सम्बन्धी प्रशिक्षण प्रदान करते हैं, इसी तरह आईपीएसएचईएम अपतटीय क्षेत्र में कार्य करने वाले कार्मिकों को ओपीआईटीओ प्रत्यायित एचयूईटी प्रशिक्षण प्रदान करता है, जिसमें ईबीएम प्रशिक्षण और समुद्र में जीवन रक्षा प्रशिक्षण शामिल है।

जून 2022 में पवन हंस हेलिकॉप्टर दुर्घटना के संबंध में एएआईबी (विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो) द्वारा विस्तृत जांच की जा रही है और उसकी रिपोर्ट की

प्रतीक्षा है। हालांकि, ओएनजीसी ने निम्नानुसार अतिरिक्त सावधानियां और उपाय किए हैं:-

1. भारतीय तटरक्षक बल से 22 अगस्त से ओएनजीसी सी बेस जुहू में समर्पित एसएआर (खोज) और बचाव हेलीकॉप्टर को ऑन ड्यूटी के साथ तैनात किया है।
2. अपतटीय रिंगों से जुड़े हेलीकॉप्टर प्रचालन में कर्मीदल बदलने के दौरान स्टैंडबाई नाव सुनिश्चित की जाती है।
3. आरडब्ल्यूएसआई (रोटरी विंग सोसाइटी ऑफ इंडिया) द्वारा हेलीकॉप्टरों की सुरक्षा और तकनीकी जांच की जा रही है।
4. सुरक्षा उपायों/प्राप्त जानकारी तथा ऑपरेटरों द्वारा सीखे गए सबक को साझा करने की पहलों के संबंध में सभी हेलीकॉप्टर ऑपरेटरों के साथ सुरक्षा बैठक आयोजित की जाती है।
5. ओएनजीसी ने हेली ऑफशोर की सदस्यता ली है, जो अपतटीय हेलीकॉप्टर प्रचालन की सुरक्षा से संबंधित एक वैश्विक संस्था है।
6. विमानन सुरक्षा विशेषज्ञ की भर्ती से विमानन सुरक्षा खंड और मजबूत हुआ है।
7. इसके अलावा, हेलीकॉप्टर प्रचालन के लिए निम्नलिखित सुरक्षा उपाय भी सुनिश्चित किए जा रहे हैं:-

    क. हेलीकॉप्टर से यात्रा करने वाले सभी कर्मियों के लिए अनिवार्य प्रशिक्षण जैसे बचाव और पानी के नीचे हेलीकॉप्टर से निकासी प्रशिक्षण।

    ख. अपतटीय कार्य के लिए तैनात कर्मियों के लिए विशिष्ट चिकित्सा और शारीरिक फिटनेस मानदंड।

ग. जीवन बचाव जैकेटों और सुरक्षा बेल्ट के वास्तविक प्रदर्शन सहित अपतट पर आने और वहां से जाने के लिए हेलीकॉप्टर से यात्रा करने से पहले सभी कर्मियों के लिए अनिवार्य सुरक्षा ब्रीफिंग।

घ. यात्रा से पहले सभी हवा भरने वाली लाइफ जैकेट्स की जांच और उन्हें पहनना पायलट द्वारा सुनिश्चित किया जाता है।

ङ. पायलट द्वारा यात्रियों को हेलीकॉप्टर में सवार होने से पहले स्थान और आपातकालीन उपकरणों के उपयोग, सामान्य और आपातकालीन निकासी उड़ान विवरण आदि के बारे में जानकारी देना।

च. यह सुनिश्चित करना कि एक यात्री/चालक दल उपकरणों से लैस हो और पायलटों के साथ संपर्क बनाए रखने के लिए एक हेडसेट से परिचित हो और उसे प्रमुख यात्री के रूप में चिह्नित किया गया है।

छ. अपतटीय प्रतिष्ठानों/रिगों पर एचएपीआई (हेलीकॉप्टर एप्रोच पाथ इंडिकेटर) सहित नाइट लैंडिंग सुविधाओं की उपलब्धता।

ताउते चक्रवात अपनी तरह का खास और असाधारण चक्रवात था। चक्रवात पथ के अचानक बदलाव की घटना अलग थी और पश्चिमी अपतट में रिकॉर्ड की गई उच्चतम हवा की गति से जुड़ी थी। चक्रवात से संबंधित आकस्मिकताओं के मामले में आपातकालीन प्रतिक्रिया को और मजबूत करने के लिए, ओएनजीसी ने निम्नलिखित उपाय किए है:

1. अपतटीय ईएंडपी प्रचालन क्षेत्रों के लिए चक्रवात का पूर्वानुमान प्रदान करने के उद्देश्य से हाइड्रोकार्बन महानिदेशक (डीजीएच), भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और भारतीय राष्ट्रीय

महासागर सूचना सेवा केंद्र (आईएनसीओआईएस) शिपिंग महानिदेशक (डीजीएस), भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) और तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय (ओआईएसडी) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

2. पूर्व-तैनाती निरीक्षण, प्रमाणपत्रों तथा सांविधिक आवश्यकताओं के अनुसार अन्य जरूरतों की जांच और सत्यापन करने हेतु अपतटीय प्रचालनों के लिए जहाजों की तैनाती से पहले, अनुभवी समुद्री पेशेवरों के साथ एक समुद्री सेल बनाया गया था।
3. प्रतिकूल मौसम की स्थिती से निपटने संबंधी तैयारियों और प्रतिक्रिया को और मजबूत करने के लिए ईआरपी (आपातकालीन प्रतिक्रिया योजना) को अद्यतन किया गया है।
4. अपतटीय परिसंपत्तियों के वरिष्ठतम परिसंपत्ति प्रबंधक को रिपोर्ट करने वाली आपातकालीन प्रतिक्रिया दल का गठन।
5. किन्हीं अपरिहार्य परिस्थितियों में किस भी चक्रवात के पूर्वानुमान/अप्रत्याशित घटना के तहत मिलने वाली चेतावनी के मामले में अनुबंध हेतु नई परियोजनाओं में बार्जों/जहाजों को सुरक्षित स्थान पर ले जाना अपेक्षित है। ऐसे मामलों में ओएनजीसी का निर्णय अंतिम होता है।
6. ओएनजीसी द्वारा सीधे किराए पर लिए गए जहाजों की तकनीकी विशिष्टताओं के संबंध में समीक्षा की गई है। अपतटीय प्रचालनों के संबंध में किराए पर लिए गए जहाजों के लिए डीपी2 (डायनेमिक पोजिशनिंग 2) की शुरुआत जैसे वर्धित सुरक्षा उपाए किए गए हैं।
7. खराब मौसम की स्थिति में रिंग, इंस्टालेशन और जहाजों के संबंध में जोखिम विश्लेषण के लिए प्राधिकरण निर्धारित किए गए हैं। पूर्वानुमानित चक्रवात के विश्लेषित जोखिम के आधार पर, पोत/नौका क्षेत्र से हटाकर सुरक्षित समुद्र पर ले जाना।

वीएटीएमएस (वेसल एंड एयर ट्रैफिक मॉनिटरिंग सिस्टम) के माध्यम से सुरक्षित समुद्री आवाजाही की निगरानी की जाती है।

8. *आपातकालीन स्थितियों के लिए फील्ड में पर्याप्त संख्या में एएचटी (एंकर हैंडलिंग टग्स) और ईटीवी (इमरजेंसी टोइंग वेसल्स) सुनिश्चित किए जाते हैं।*

9. *डीएमपी (आपदा प्रबंधन योजना)/आरसीपी (क्षेत्रीय आकस्मिक योजना) को अद्यतन किया गया है। संचार चैनल, तंत्र, नियंत्रण कक्ष, प्रसार स्तर आदि की पहचान की गई है। डीजी कम्युनिकेशन सेंटर, इंडियन नेवी आईसीजी (भारतीय तटरक्षक), ओएनजीसी, डीजीएच (हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय) के संपर्क बिन्दु और उनके प्रसार को मासिक आधार पर अपडेट किया जा रहा है।*

10. *सीडीएमपी (नैगम आपदा प्रबंधन योजना) को पूरी तरह से संशोधित किया गया है, जिसमें एमओपीएनजी की आपदा प्रबंधन योजना (डीएमपी)- 2020, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना (एनडीएमपी)- 2019, कोविड-19 और चक्रवात ताउते पर पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी) के दिशानिर्देश, चक्रवात ताउते पर उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशें शामिल हैं।*

11. *समुद्र में चक्रवाती आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए आईसीजी/एमआरसीसी (समुद्री बचाव और समन्वय केंद्र) नोडल निष्पादन एजेंसी बनी हुई है। विभिन्न प्राधिकरणों/एजेंसियों के बीच समन्वय के लिए डीजी शिपिंग/डीजी कम्युनिकेशन सेंटर केंद्र बिन्दु हैं।*

12. *रुके हुए प्रचालन कार्यों के संबंध में मौसम से जुड़ी स्थितियों को अद्यतन करने के लिए समुद्री प्रचालन मैनुअल को संशोधित किया गया।*

17. आईपीएसएचईएम के 'समुद्र शिक्षा' मॉड्यूल का ब्यौरा प्रस्तुत करने के लिए कहे जाने पर, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा ओएनजीसी के प्रतिनिधियों ने निम्नवत बताया:-

समुद्र-शिक्षा मॉड्यूल का ब्यौरा:- आईपीएसएचईएम-गोवा वर्तमान में समुद्र में जीवन रक्षा (एसएएस) और जलपोत समुद्र शिक्षा पर जीवन रक्षा (आरएएस) प्रशिक्षण के लिए पुनश्चर्या प्रशिक्षण आयोजित कर रहा है। एसएएस प्रशिक्षण की अवधि 5 दिन है और आरएएस प्रशिक्षण की अवधि 3 दिन है। वर्तमान सुविधाओं के साथ प्रति माह एसएएस और आरएएस प्रशिक्षण के तीन से चार बैच आयोजित किए जाते है जिनमें प्रत्येक बैच में 20 व्यक्ति होते हैं। पांच दिनों के एसएएस प्रशिक्षण में से दो दिन का क्लास रूम प्रशिक्षण आईपीएसएचईएम परिसर में इन-हाउस फैकल्टी के साथ प्रदान किया जाता है और गोवा के वास्को में गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) जेटी में खड़े ओएनजीसी पोत समुद्र शिक्षा पर तीन दिनों का व्यावहारिक कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है।

प्रशिक्षण मॉड्यूल में पूरी तरह से लाइफ बोट और रेस्क्यू बोट का सिद्धांत, लाइफ बोट में पूरी तरह लैस वायु समर्थन और स्प्रिंकलर प्रणाली, जीवन जैकेट पहनने पर व्यावहारिक प्रशिक्षण, लाइफ बोट और रेस्क्यू बोट का पूरा व्यावहारिक परिचय, व्यावहारिकः लाइफ बोट रेस्क्यू बोट ड्रिल शामिल है। लोअरिंग लाइफ बोट/बचाव नौका व आपातकालीन नौका से इवैक्यूएशन तथा लोगों को नौका पर चढ़ाने की ड्रिल, लाइफ बोट/रेस्क्यू बोट ड्रिल। लाइफ वोट/रेस्क्यू बोट नीचे करना और बोट हैंडलिंग करना, पूरी तरह से लाइफ बोट में स्प्रिंकलर सिस्टम का व्यावहारिक प्रदर्शन, तैरने की तकनीक, स्क्रेम्बल नेट ड्रिल, लाइफ राफ्ट इन्फ्लेशन वेट लाइफ राफ्ट ड्रिल, समुद्र में जीवन रक्षा संबंधी फिल्म, बुनियादी प्राथमिक चिकित्सा आदि।

18. आईपीएसएचईएम द्वारा अपनी स्थापना के बाद से जीते गए विभिन्न पुरस्कारों का ब्यौरा प्रस्तुत करने के लिए कहे जाने पर, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा ओएनजीसी के प्रतिनिधियों ने निम्नवत बताया:-

एचएसई के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आईपीएसएचईएम द्वारा प्राप्त विभिन्न पुरस्कार निधानुसार

वित्त वर्ष 2021-2022

क. आईपीएसएचईएम को पर्यावरण प्रबंधन में प्लेटिनम श्रेणी में प्रतिष्ठित एनर्जी एंड एनवायरनमेंट फाउंडेशन ग्लोबल एनवायरनमेंट अवार्ड 2021 के लिए चुना गया था।

ख. आईपीएसएचईएम को प्लैटिनम श्रेणी में पर्यावरण उत्कृष्टता के लिए एपेक्स इंडिया ग्रीन लीफ अवार्ड 2020 से सम्मानित किया गया।

ग. आईपीएसएचईएम को पेट्रोलियम अन्वेषण क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण श्रेणी के तहत प्रतिष्ठित 10वें एक्सीड एनवायरनमेंट अवार्ड 2021" के लिए सम्मानित किया गया।

घ. संस्थान आईएसओ 9001:2015, आईएसओ 14001:2015 और आईएसओ 45001.2018 मानकों से प्रमाणित है।

वित्त वर्ष 2020-2021

क. प्लेटिनम श्रेणी के तहत एपेक्स इंडिया फाउंडेशन द्वारा आईपीएसएचईएम को प्रतिष्ठित "एपेक्स इंडिया ग्रीन लीफ अवार्ड 2019" से सम्मानित किया गया।

ख. वित्त वर्ष 2020-21 आईपीएसएचईएम को पर्यावरण प्रबंधन में उत्कृष्ट योगदान के लिए "ग्रो केयर इंडिया एनवायरनमेंट अवार्ड्स 2020" के लिए प्रतिष्ठित गोल्ड अवार्ड" के लिए चुना गया।

ग. आईपीएसएचईएम को प्लैटिनम श्रेणी के तहत एनर्जी एंड एनवायरनमेंट फाउंडेशन, भारत द्वारा "वैश्विक पर्यावरण पुरस्कार- 2020" से सम्मानित किया गया है।

घ. आईपीएसएचईएम को प्लैटिनम श्रेणी के तहत एनर्जी एंड एनवायरनमेंट फाउंडेशन, भारत द्वारा "वैश्विक सुरक्षा पुरस्कार- 2021 से सम्मानित किया गया है।

ङ. आईपीएसएचईएम को प्लेटिनम श्रेणी के तहत पर्यावरण उत्कृष्टता के लिए फेम इंडिया उत्कृष्टता पुरस्कार का विजेता घोषित किया गया।

वित्त वर्ष 2019-2020

क. चंडीगढ़ में 03 अप्रैल 2019 को 'गोल्ड' श्रेणी में ग्रो केयर इंडिया एनवायरनमेंट, वाटर मैनेजमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी अवार्ड 2019

ख. चंडीगढ़ में 02 जून 2019 को 'डायमंड श्रेणी में फाउंडेशन फॉर एक्सेलेरेटेड मास एम्पावरमेंट (फेम) द्वारा गोल्डन बर्ड बेस्ट ट्रेनिंग अवार्ड 2019

ग. नई दिल्ली में 11 जुलाई 2019 को अनुसंधान एवं विकास क्षेत्र में ग्रीनटेक पर्यावरण पुरस्कार 2019

घ. नई दिल्ली में दिनांक 23 अगस्त 2019 को आयोजित 10वीं वर्ल्ड रिन्यूएबल एनर्जी टेक्नोलॉजी कांग्रेस एंड एक्सपो 2019 में 'प्लेटिनम

श्रेणी के अंतर्गत एनर्जी एंड एनवायरनमेंट फाउंडेशन ग्लोबल एनवायरनमेंट अवार्ड 2019

ङ. गोवा के डोना पाउला में 24 सितंबर 2019 को आयोजित एपेक्स इंडिया ओएसएचई सस्टेनेबिलिटी कॉन्फ्रेंस 2019, में 'प्लैटिनम श्रेणी के अंतर्गत एपेक्स इंडिया एनवायरनमेंटल एक्सीलेंस अवार्ड 2019 और 'गोल्ड' श्रेणी में एपेक्स इंडिया ऑक्युपेशनल हेल्थ एंड सेफ्टी अवार्ड 2019

च. नई दिल्ली में 24 दिसंबर 2019 को 'गोल्ड' श्रेणी के अंतर्गत तेल और गैस क्षेत्र के लिए ग्रो केयर इंडिया सेफ्टी अवार्ड 2019

छ. क्यूएचएसई प्रबंधन प्रणाली आईएस-9001, आईएसओ 14001 और ओएचएमएएस- 18001 को सिस्टम की आवश्यकताओं के अनुसार नवीनीकृत किया गया और बनाए रखा गया था। जनवरी 2020 में ओएचएमएएस 18001 से आईएसओ-45001 में बदलाव हासिल किया गया।

वित्त वर्ष 2018-2019

वैयक्तिक पुरस्कारः

क. श्री. संजय कुमार, उप महाप्रबंधक (अग्निशमन सेवा) को विशिष्ट सेवा के लिए भारत के राष्ट्रपति के अग्निशमन सेवा पदक से अलंकृत किया गया।

ख. डॉ यू. के. चक्रवर्ती, डीजीएम (पी) को एपेक्स इंडिया लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड 2019" से सम्मानित किया गया और उन्हें फोरम

ऑफ बिहेवियरल सेफ्टी द्वारा नेशनल बीबीएस एंबेसडर के रूप में भी सम्मानित किया गया।

ग. श्री जी एल दास, उप महाप्रबंधक (रसायन विज्ञान) को वर्ल्ड रिसर्च काउंसिल (डब्ल्यूआरसी) के तहत साहित्यिक एक्सेस (आईजेआरयूएलए) के तहत शोध के लिए अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका द्वारा पर्यावरण अध्ययन में विशिष्ट शोधकर्ता श्रेणी में "रिसर्चर अवार्ड 2019" से सम्मानित किया गया।

संस्थान पुरस्कार:

क. प्लेटिनम श्रेणी में ग्रो केयर इंडिया सेफ्टी अवार्ड, 2018

ख. प्लेटिनम श्रेणी में फेम एक्सीलेंस अवार्ड, 2018

ग. प्लैटिनम श्रेणी में वैश्विक पर्यावरण पुरस्कार, 2018

घ. प्लेटिनम श्रेणी में एनर्जी एंड एनवायरनमेंट फाउंडेशन ग्लोबल सेफ्टी अवार्ड, 2019

ङ. प्लेटिनम श्रेणी में एपेक्स इंडिया एनवायरनमेंट एक्सीलेंस अवार्ड 2019

वित्त वर्ष 2017-2018

क. जुलाई 2017-18 में ग्राम गोल्ड श्रेणी में ग्रो केयर इंडिया एनवायरनमेंट अवार्ड 2017-18

ख. वैश्विक पर्यावरण पुरस्कार, 2017 प्लेटिनम श्रेणी अगस्त, 2017-18 में प्राप्त हुआ।

ग. फेम इंडिया लिमिटेड ने प्लेटिनम श्रेणी के तहत सितंबर, 2017 में राष्ट्रविभूषण पुरस्कार दिया।

घ. प्लेटिनम श्रेणी के तहत फरवरी, 2018 में एनर्जी एंड एनवायरनमेंट फाउंडेशन ग्लोबल सेफ्टी अवार्ड 2018

वित्त वर्ष 2016-2017

क. ग्रीनटेक पर्यावरण गोल्ड पुरस्कार

ख. दिनांक 26.07.2016 से 31.03.2018 की अवधि के लिए ओएनजीसी के इन-हाउस आरएंडडी केंद्र के रूप में आईपीएसएचईएम के लिए डीएसआईआर मान्यता का नवीनीकरण।

वित्त वर्ष 2015-2016

क. पैट्रोलियम अन्वेषण क्षेत्र में ग्रीनटेक पर्यावरण पुरस्कार, 2015 स्वर्ण पुरस्कार

ख. आईपीएसएचईएम को वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर), भारत सरकार द्वारा दिनांक 17.04.2015 को मान्यता प्रमाणपत्र प्रदान करके ओएनजीसी के इन हाउस आरएंडडी संस्थान के रूप में मान्यता दी गई है।

वित्त वर्ष 2014-2015

क. सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले संस्थान के लिए सीएमडी पुरस्कार (अनुसंधान एवं विकास के अलावा)।

19. समिति द्वारा यह पूछे जाने पर कि क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा तेल और प्राकृतिक गैस निगम द्वारा विचाराधीन याचिका/अभ्यावेदन के संबंध में कोई अन्य सूचना समिति के समक्ष प्रस्तुत की गई है, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा ओएनजीसी के प्रतिनिधियों ने निम्नवत बताया:-

आईपीएसएचईएम का भविष्यः आईपीएसएचईएम से ईएंडपी क्षेत्र के लिए एक प्रसिद्ध विश्व स्तरीय प्रशिक्षण संस्थान बनने की दिशा में कई पहल की है:

(i) *आईपीएसएचईएम एचएसई पाठ्यक्रमों में विश्व स्तर पर प्रशंसित प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध पेट्रोफैक लिमिटेड के साथ सहयोग कर रहा है।*

(क) संबंधित डोमेन विशेषज्ञता में सहयोग और मूल संसाधनों के लिए एक आशय पत्र (एमओआई) पर हस्ताक्षर किए और लक्ष्य समूहों के रूप में पेट्रोफिक और ओएनजीसी के मौजूदा ग्राहकों सहित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस कंपनियों के लिए एचएसई और अग्निशमन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए।

(ख) पेट्रीफैक ने आईपीएसएचईएम के सहयोग से ओएनजीसी कर्मियों के लिए एमएसई पाठ्यक्रमों पर दो ऑनलाइन कार्यशालाओं का आयोजन किया।

(ग) पेट्रोफक प्रशिक्षकों/संकाय के लिए एचएसई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रदान करेगा और आईपीएसएचईएम के लिए अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने में भी सहायता करेगा।

(ii) *अत्याधुनिक सिमुलेटरों की मदद से वास्तविक समय परिदृश्य में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रौद्योगिकी में प्रगति को देखते हुए, आईपीएसएचईएम ने सभी अपस्ट्रीम को कवर करने वाले अग्नि प्रशिक्षण/सुरक्षा अत्याधुनिक सिमुलेटर स्थापित करने की योजना बनाई है और हाइड्रोकार्बन उद्योग के डाउनस्ट्रीम प्रोसेस क्षेत्र, इसके अग्नि/सुरक्षा प्रशिक्षण विस्तार कार्यक्रम के एक भाग के रूप में:-*

अग्निशमन सिम्युलेटर:

- अपतटीय प्लेटफार्म फायर सिम्युलेटर
- अभितटीय वेधन/डब्ल्यूओ रिंग फायर सिम्युलेटर
- तटवर्ती प्रक्रिया सुविधाएं फायर सिमुलेटर
- इलेक्ट्रिकल पैनल और केबल गैलरी फायर सिम्युलेटर
- विद्युत ट्रांसफार्मर आग सिम्युलेटर
- माउंडेड बुलेट फायर सिम्युलेटर
- फिक्स्ड रूफ स्टोरेज टैंक फायर सिम्युलेटर
- फ्लोटिंग रूफ स्टोरेज टैंक फायर सिम्युलेटर
- स्मोक हाउस निकासी सिम्युलेटर
- हाई राइज बिल्डिंग फायर सिम्युलेटर
- रोड टैंकर लोडिंग गैन्ट्री फायर सिम्युलेटर

सुरक्षा सिमुलेटर:

- सामग्री हैंडलिंग सुरक्षा सिम्युलेटर
- निर्माण सुरक्षा सिम्युलेटर
- हाइट सेफ्टी सिमुलेटर से सेल्फ एस्केप
- विद्युत सुरक्षा लॉक-आउट-टैग-आउट (एलओटीओ) सिम्युलेटर
- सीमित स्थान सुरक्षा निम्युलेटर

सिमुलेटर नियंत्रण केंद्र:

- सेंट्रल कंसोल पैनल
- नए कक्षा कक्ष (04 संख्या)
- ओएच उपकरण प्रदर्शन कक्ष
- अग्निशमन उपकरण प्रदर्शन कक्ष
- सुरक्षा उपकरण प्रदर्शन कक्ष
- प्रशिक्षुओं के लिए ब्रीफिंग रूम

(iii) नामांकन के लिए आईपीएसएचईएम की क्षमताओं को अन्य ईएंडपी कंपनियों के साथ साझा किया जा रहा है। वर्तमान ग्राहकों की सूची में टोटल एनर्जी (फ्रांस), रोसनेफ्ट (रूस), अदानी, जीवीके, मेल, इंडियन ऑयल, ऑयल इंडिया लिमिटेड, एयरपोर्ट अथॉरिटी, केयर्न एनर्जी/वेदांत आदि शामिल है।

(iv) वर्चूअल रियेल्टी (वीआर) मोड में अभितटीय संस्थापन के लिए ओआईएम प्रशिक्षण मॉड्यूल मैसर्स सिमुलानिस द्वारा विकसित किया जा रहा है।

(v) ओआईएसडी समिति के सदस्य के रूप में नए और संशोधित तेल और गैस उद्योग एचएसई मानकों को विकसित करने में सक्रिय योगदान।

(vi) डिजिटल मोड में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए ई-लर्निंग मॉड्यूल विकसित करना शुरू किया।

(vii) भारत में तेल और गैस उद्योग के विकास को प्रदर्शित करने के लिए आईपीएसएचईएम में एक ओपन एयर ऑयल एंड गैस संग्रहालय विकसित किया जा रहा है।

(viii) उद्योग विकास आधारित थीम विषयों पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/संगोष्ठियों की सुविधा के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय कन्वेशन सेंटर की योजना बनाई गई है।

(ix) प्रशिक्षाणार्थियों के लिए आईपीएसएचईएम में ठहरने की सुविधा के लिए, आईपीएसएचईएम परिसर के भीतर नवीनतम सुविधाओं से लैस 76 कमरों की क्षमता वाला एक नया छात्रावास ब्लॉक बनाया जा रहा है।

20. समिति ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि चर्चा के दौरान सदस्यों द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों पर पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा तेल और प्राकृतिक गैस निगम लिमिटेड (ओएनजीसी) के प्रतिनिधियों द्वारा व्याख्या की गई//स्पष्टीकरण दिया गया। समिति ने पेट्रोलियम क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों को सुरक्षा, उपजीविकाजन्य स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन प्रथाओं और मानकों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने में ओएनजीसी के प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान अर्थात पेट्रोलियम सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन संस्थान (आईपीएसएचईएम) द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। तथापि, जलवायु परिवर्तन के कारण प्राकृतिक आपदाओं के बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए, समिति आशा करती है कि सर्वोत्तम अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य और सुरक्षा पद्धतियों और मानकों पर आधारित अध्ययनों और अनुसंधानों को ध्यान में रखते हुए आईपीएसएचईएम तदनुसार, अपनी पाठ्यक्रम संरचनाएं विकसित करेगा।

टिप्पणियां/सिफारिशें

पेट्रोलियम सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन संस्थान (आईपीएसएचईएम) की पृष्ठभूमि

21. समिति नोट करती है कि पेट्रोलियम सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन संस्थान (आईपीएसएचईएम) ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) का एक प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान है, जिसका मुख्य फोकस पेट्रोलियम क्षेत्र में सुरक्षा, उपजीविकाजन्य स्वास्थ्य और पर्यावरण परिपाटी और मानकों को बढ़ावा देने पर है। इस संस्थान का मास्टर प्लान 1990 में भारत सरकार और नॉर्वे सरकार के बीच हुए द्विपक्षीय समझौते के तहत नॉर्वे की कंसल्टेंट्स 'सिकटेक ए/एस' द्वारा तैयार किया गया था। समिति आगे नोट करती है कि पेट्रोलियम सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन संस्थान ने 1989 में मडगाँव, साउथ गोआ एंड सी सर्वाइवल एंड पणजी फायर सर्विसेज हेडक्वार्टर से किराए के कार्यालय परिसर से कार्य करना शुरू किया था। इसके अलावा, पेट्रोलियम सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन संस्थान के घोषित अधिदेश के अनुसार, यह विभिन्न कार्मिकों को स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण और अग्निशमन संबंधित विशेषज्ञ प्रशिक्षण प्रदान करता है विशेष रूप से पेट्रोलियम क्षेत्र से संबंधित कार्मिकों को, जो अन्वेषण,

ड्रिलिंग और उत्पादन के कार्य में लगे हैं ताकि वे सुरक्षित, हरित और जिम्मेदार तरीके से कार्य कर सकें।

22. समिति नोट करती है कि यह संस्थान आवश्यक अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आईएसओ) के प्रमाणन के साथ स्वयं को अत्याधुनिक केंद्र के रूप में विकसित करने के दृष्टिकोण से कार्मिकों को प्रशिक्षण देकर और आधारभूत ढांचे का विकास कर लंबा सफर तय किया है। इस संबंध में, समिति नोट करती है कि पेट्रोलियम सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन संस्थान के पास अपनी गतिविधियों का विस्तार करने और इसे विश्व स्तरीय संस्थान में बदलने के लिए सभी आवश्यक संसाधन और क्षमता है। इसके बावजूद, समिति पाती है कि फायर फाइटिंग फॉर ऑपरेशनल परसॉनल, एडवांस्ड सर्च एंड रेस्क्यू-कम-फायर फाइटिंग फॉर प्रोफेशनल फायर फाइटर्स, ब्लो आउट कंटिजेंसी कंट्रोल, सर्वाइवल एट सी, एक्सीडेंट एंड इंसीडेंट इन्वेस्टीगेशन, एचएसई एवेयरनेस आदि जैसे पाठ्यक्रमों के संबंध में 2017 से 2022 तक नामांकित उम्मीदवारों की कुल संख्या न केवल मोटे तौर पर स्थिर रही है बल्कि देश और विदेश में भी इस प्रकार के प्रशिक्षण की भारी मांग के अनुरूप नहीं हैं।

23. समिति का यह सुविचारित मत है कि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय और ओएनजीसी के लिए यह सुनिश्चित करने का उपयुक्त समय है कि यह संस्थान न केवल पेट्रोलियम क्षेत्र में, बल्कि अन्य संबंधित क्षेत्रों में भी सुरक्षा, स्वास्थ्य

और पर्यावरण प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के अपने 'मिशन' और 'विज़न' पर खरा उतरे। समिति की इच्छा है कि पेट्रोलियम सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन संस्थान विभिन्न क्षेत्रों/खंडों में अपने मौजूदा आधारभूत ढांचे और विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए व्यापक प्रशिक्षण मॉड्यूल और सुविधाएं प्रदान करने के लिए अपने आधार को व्यापक बनाने का प्रयास करे। इसलिए, समिति मंत्रालय और ओएनजीसी से सिफारिश करती है कि प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए अपने क्षेत्र का और विस्तार करने के लिए पेट्रोलियम सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन संस्थान को आवश्यक धन उपलब्ध कराएं, ताकि यह संस्थान अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर सके। इस संबंध में, वर्तमान और भावी आवश्यकताओं के अनुरूप लघु, मध्यम और दीर्घ अवधि के विभिन्न प्रकार के नवीन पाठ्यक्रमों को शुरू करने की दिशा में भी निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए। समिति यह भी चाहेगी कि संस्थान विभिन्न महत्वपूर्ण क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कम अवधि के भौतिक मॉड्यूल के साथ-साथ प्रशिक्षण के ऑनलाइन मोड को विकसित करने के लिए अपने सभी प्रयासों और संसाधनों को लगाए। समिति चाहती है कि सभा में इस प्रतिवेदन को प्रस्तुत करने की तारीख से तीन महीने के भीतर इस संबंध में उठाए गए/उठाए जाने वाले आवश्यक कदमों से उसे अवगत कराया जाए।

भूमिका, अधिदेश और भावी योजना

24. समिति नोट करती है कि पेट्रोलियम सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन संस्थान की भूमिका और अधिदेश काफी व्यापक है, जो बताता है कि यह संस्थान पेट्रोलियम क्षेत्र में सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है। इसके अलावा, यह संस्थान विभिन्न सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है। समिति का यह सुविचारित मत है कि संस्थान के रूप में पेट्रोलियम सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन संस्थान महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है और इस संस्थान के साथ-साथ मंत्रालय और ओएनजीसी को पेट्रोलियम सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन संस्थान का उत्कृष्ट संस्थान के रूप में मूल्यवर्धित विकास सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है। समिति चाहती है कि संस्थान के समक्ष परेशानी उत्पन्न करने वाले विभिन्न मुद्दों, जैसे सुविधाओं की कमी, आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम का विकास, उन्नत प्रशिक्षण/शिक्षण मॉड्यूल, आवश्यक संसाधनों की कमी से संबंधित और समय-समय पर प्रतिभागियों द्वारा बताई गई शिकायतों की पहचान की जानी चाहिए। समिति चाहती है कि मंत्रालय और ओएनजीसी उपरोक्त मुद्दों पर निष्कर्षों से प्राप्त सुझावों के आधार पर एक समयबद्ध 'कार्य योजना' विकसित करने के लिए कदम उठाएं और इनके समाधान के लिए लक्ष्य, उद्देश्य और लक्षित कार्य योजना का निर्धारण करें। इस हद तक, बेहतर परिणामों के लिए अधिक जरूरी और महत्वपूर्ण मुद्दों को प्राथमिकता दी जा सकती

है। समिति यह भी सिफारिश करती है कि पेट्रोलियम सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रबंधन संस्थान को संस्थान और सरकार दोनों ही स्तरों पर समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करके अनुसंधान, प्रशिक्षण और शिक्षण के नवीनतम और आधुनिकतम तरीकों को आत्मसात करने के लिए अन्य अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ संपर्क करने और सहायता प्राप्त करने की व्यवहार्यता पर काम करना चाहिए।

25. समिति की यह भी राय है कि मंत्रालय और ओएनजीसी को सकारात्मक कार्रवाई शुरू करनी चाहिए और समिति के सुझावों पर अनुवर्ती कार्रवाई की जानी चाहिए और अन्य आवश्यक किसी कार्रवाई के आकलन के साथ पूर्वोक्त मुद्दों पर उठाए गए कदमों की प्रभावशीलता का पता लगाना चाहिए। समिति का विचार है कि समिति द्वारा बताए गए मुद्दों और सिफारिशों का निपटान करने के लिए अनुसंधान, आयोजना और लगातार प्रयासों के संयोजन की आवश्यकता है, ताकि समयबद्ध तरीके से सकारात्मक और ठोस परिवर्तन सुनिश्चित किए जा सकें। समिति यह भी चाहती है कि मंत्रालय प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के तीन महीने के भीतर इस संबंध में उठाए गए कदमों का ब्यौरा देते हुए व्यापक प्रतिवेदन साझा करे।

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, संकाय, अवसंरचना आदि से संबंधित मुद्दे

26. समिति नोट करती है कि ओएनजीसी के तत्वावधान में आईपीएसएचईएम सहित 13 संस्थान हैं, जो उनके सुचारू संचालन के लिए वित्तीय, लॉजिस्टिक और मानव संसाधन सहित अनेक सहायता प्रदान करते हैं। इसके अलावा, आईपीएसएचईएम ओएनजीसी के कर्मचारियों/व्यक्तियों को अपने घोषित शासनादेश के अनुसार प्रशिक्षण प्रदान करता है। आईपीएसएचईएम अन्य राष्ट्रीय कंपनियों जैसे गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (गेल), ऑयल इंडिया लिमिटेड, रिलायंस ऑयल, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल), इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों, जैसे, टोटल गैस, आरओएसएनईएफटी, आदि, तथा तेल और गैस अपस्ट्रीम के साथ-साथ डाउनस्ट्रीम कंपनियों और एविएशन सेक्टर जैसे अन्य उद्योग शामिल हैं को स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण (एचएसई) और अग्निशमन प्रशिक्षण भी प्रदान करता है।

27. समिति आगे नोट करती है कि एचएसई और अग्निशमन प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के संकाय में इन-हाउस विषय विशेषज्ञों के साथ-साथ ओएनजीसी के पूर्व कर्मचारी भी शामिल हैं। साथ ही, कुछ विशिष्ट प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के संबंध में, अन्य उद्योगों के डोमेन विशेषज्ञ संकाय सदस्य के रूप में नियुक्त किए गए हैं। समिति का विचार है कि हालांकि, आईपीएसएचईएम ने अपने प्रशंसनीय कार्यों द्वारा उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, फिर भी इसमें सुधार की पर्याप्त गुंजाइश दिखती

है। इसलिए, समिति सिफारिश करती है कि प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और पाठचर्या से संबंधित मुद्दों के संबंध में, उद्योग के रुझानों और तकनीकी प्रगति के साथ-साथ उद्योग के विशेषज्ञों को पाठचर्या के विकास और इसके कार्यान्वयन में शामिल करते हुए पाठ्यक्रम सामग्री को नियमित रूप से अद्यतन करने की आवश्यकता है, ताकि पाठ्यक्रम और अनुसंधान आदि की व्यावहारिक प्रासंगिकता सुनिश्चित की जा सके। इसलिए, समिति का सुझाव है कि प्रशिक्षुओं/कर्मियों को सिद्धांत और व्यवहार के बीच के अंतर को समाप्त करने में सक्षम बनाने और पाठ्यक्रमों की प्रासंगिकता सुनिश्चित करने के लिए इंटर्नशिप और परियोजना-आधारित शिक्षा जैसे व्यावहारिक प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करने की आवश्यकता है। इसके अलावा प्रशिक्षुओं, संकाय, उद्योग-भागीदारों तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों प्रकार के संगठनों से निरंतर फीडबैक के माध्यम से ऐसे प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने की आवश्यकता है।

28. इस पृष्ठभूमि में, समिति का सुविचारित मत है कि संकाय के संबंध में, आईपीएसएचईएम को योग्य और अनुभवी संकाय सदस्यों को नियुक्त करने, भर्ती करने और बनाए रखने की आवश्यकता है और उन्हें अपने ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए अनुसंधान करने और व्यावसायिक विकास के अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करने की भी आवश्यकता है। समिति चाहती है कि अंतर-विषयक अधिगम को बढ़ावा देने के लिए सहयोग और टीम वर्क की संस्कृति

को बढ़ावा देने के साथ-साथ संकाय सदस्यों की अध्यापन पद्धति में सुधार करने में उनकी सहायता करने हेतु नियमित प्रशिक्षण और कार्यशालाओं के लिए उचित प्रावधान किए जाएं। समिति महसूस करती है कि अवसंरचना एवं उसका क्रमिक विस्तार किसी भी सरकारी संस्थान के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए, समिति चाहती है कि मंत्रालय और ओएनजीसी, सावधानीपूर्वक व्यवस्थित वित्तीय प्रावधान के माध्यम से, यह सुनिश्चित करें कि प्रशिक्षणार्थियों/कार्मिकों आदि की सहायता के लिए सीखने के व्यावहारिक अनुभव के अलावा अत्याधुनिक उपकरण और प्रौद्योगिकी के साथ-साथ उनकी जागरूकता बढ़ाने हेतु व्याख्यान थिएटर, प्रयोगशालाओं, वाचनालयों और मनोरंजनात्मक क्षेत्रों के रूप में पर्याप्त सुविधाएं प्रदान की जाएं। समिति यह भी चाहती है कि ओएनजीसी संस्थान की उभरती जरूरतों और आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अवसंरचना के उन्नयन हेतु संस्थान की आवश्यकताओं का नियमित रूप से आंकलन करने के लिए एक वरिष्ठ पदाधिकारी की अध्यक्षता में एक 'पर्यवेक्षी समिति' का गठन करे। इसके अलावा, समिति का यह सुविचारित मत है कि प्रशिक्षु कार्मिक, संकाय, उद्योग भागीदार और पर्यवेक्षी प्रबंधन (अर्थात, ओएनजीसी) जैसे सभी हितधारकों को शामिल करने वाला एक सहयोगी दृष्टिकोण, पेट्रोलियम क्षेत्र में सुरक्षा, उपजीविकाजन्य स्वास्थ्य और पर्यावरण प्रथाओं और मानकों को बढ़ावा देने के लिए एक अग्रणी संस्था के रूप में इस मूल्यवान संस्थान के कायांतरण को सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण

पाठ्यक्रम, संकाय और अवसंरचना संबंधी समस्याओं की नियमित रूप से पहचान करने और उनका समाधान करने में सहायता कर सकता है। समिति सदन में इस प्रतिवेदन की प्रस्तुति की तारीख से तीन महीने के अंदर इस संबंध में उठाए गए/उठाए जाने वाले कदमों से अवगत होना चाहेगी।

नई दिल्ली,

श्री हरीश द्विवेदी
सभापति,
याचिका समिति

<u>23 मार्च, 2023</u>
02 चैत्र, 1945 (शक)